# पंडित दीनदयाल के नाम से जाना जाएगा हकेंवि का पुस्तकालय : प्रो. आरसी कुहाड़

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ का केंद्रीय पुस्तकालय पंडित दीनदयाल उपाध्याय के नाम से जाना जाएगा। विवि के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने सोमवार को इसकी घोषणा पं. दीन दयाल उपाध्याय के जन्मदिन के अवसर पर की। कुलपति ने यह घोषणा विवि के वरिष्ठ अधिकारियों और शैक्षणिक विभाग प्रमुखों की सहमति से की।

कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वह एक चिंतक, समाजशास्त्री, अर्थशास्त्री व पत्रकार थे। उनका व्यक्तित्व आज के दौर में प्रेरणा का स्त्रोत है। उन्होंने ही देश को एकात्म मानववाद जैसी प्रगतिशील विचारधारा दी। कुलपति ने कहा कि आज उनका जन्मदिवस है और यह वर्ष उनके जन्म शताब्दी वर्ष के तौर पर मनाया जा रहा है। इसलिए उनकी साहित्य में गहरी रुचि को देखते हुए विवि के केंद्रीय पुस्तकालय का नामकरण उनके नाम पर किए जाने की दिशा में कदम बढ़ाया गया। कुलपति ने कहा कि इस संदर्भ में आवश्यक औपचारिकताएं जल्द पूरी कर ली जाएंगी। विवि में केंद्रीय पुस्तकालय में करीब 25 हजार पुस्तकें और 15 हजार से अधिक जर्नल्स हैं। पुस्तकालय में किताबों के साथ-साथ ई-ग्रंथालय जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध हैं।

महेंद्रगढ़. पंडित दीनदयाल के चित्र पर पुष्प अर्पित करते विवि के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़।

# पं.उपाध्याय के नाम पर होगा हकेंवि का पुस्तकालय

**संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ः** हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ का केंद्रीय पुस्तकालय पंडित दीनदयाल उपाध्याय के नाम से पहचाना जाएगा। कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने सोमवार को इसकी घोषणा पं. दीनदयाल उपाध्याय के जन्मदिन के अवसर पर की। कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने पण्डित दीनदयाल उपाध्याय के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय एक चिंतक, समाजशास्त्री, अर्थशास्त्री व पत्रकार थे। उनका व्यक्तित्व आज के दौर में प्रेरणा का स्त्रोत है। कुलपति ने कहा कि यह वर्ष उनके जन्म शताब्दी वर्ष के तौर पर मनाया जा रहा है। पंडित जी की साहित्य में गहरी रुचि को देखते हुए केंद्रीय पुस्तकालय को उनका नाम दिए जाने की दिशा में कदम बढ़ाया गया है। इस संबंध में आवश्यक औपचारिकताएं जल्द पूरी की जाएंगी। विश्वविद्यालय के केंद्रीय पुस्तकालय में करीब 25 हजार पुस्तकें व 15 हजार से अधिक जर्नल्स के साथ शैक्षणिक खंड चल रहा है।

पं. दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर पुष्प अर्पित करते वीसी प्रो. आरसी कुहाड ● जागरण

# दीनदयाल उपाध्याय के नाम से पहचाना जाएगा ह.कें.वि. का पुस्तकालय

महेंद्रगढ़, 25 सितम्बर (मोहन/परमजीत): पं. हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (ह.कें.वि.), महेंद्रगढ़ का केंद्रीय पुस्तकालय पडिंत दीनदयाल उपाध्याय के नाम से पहचाना जाएगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने सोमवार को इसकी घोषणा पं. दीन दयाल उपाध्याय के जन्मदिन के अवसर पर की। कुलपति ने यह घोषणा विश्वविद्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों व शैक्षणिक विभाग प्रमुखों की सहमति से की।

*पं. दीनदयाल की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करते प्रो. कुहाड़। मोहन*

कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने पडिंत दीनदयाल उपाध्याय के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पण्डित दीनदयाल उपाध्याय एक चिंतक, समाजशास्त्री, अर्थशास्त्री व पत्रकार थे। उनका व्यक्तित्व आज के दौर में प्रेरणा का स्त्रोत है। उन्होंने ही देश को एकात्म मानवदर्शन जैसी प्रगतिशील विचारधारा दी। कुलपति ने कहा कि आज पडिंत जी का जन्म दिवस है और यह वर्ष उनके जन्म शताब्दी वर्ष के तौर पर मनाया जा रहा है। इसलिए पं. जी की साहित्य में गहरी रूचि को देखते हुए विश्वविद्यालय के केंद्रीय पुस्तकालय को उनका नाम दिए जाने की दिशा में कदम बढ़ाया गया। कुलपति ने कहा कि इस संदर्भ में आवश्यक औपचारिकताएं जल्द पूरी कर ली जाएगी। विश्वविद्यालय में केंद्रीय पुस्तकालय करीब 25000 पुस्तकें व 15000 से अधिक जर्नल्स के साथ शैक्षणिक खंड 4 में चल रहा है। पुस्तकालय में विद्यार्थियों को किताबों के साथ-साथ ई-ग्रंथालय जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध है।

पंजाब केसरी ई-पेपर
Tue, 26 September 2017
epaper.punjabkesari.in//c/22450077

पंडित दीन दयाल उपाध्याय के चित्र पर पुष्प अर्पित करते हकेंविवि के वीसी आरसी कुहाड़।

# पंडित दीनदयाल के नाम से पहचाना जाएगा हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय का पुस्तकालय

**महेंद्रगढ़ (ब्यूरो)।** हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने पं. दीन दयाल उपाध्याय के जन्मदिन के अवसर कहा कि अब विश्वविद्यालय का केंद्रीय पुस्तकालय पंडित दीनदयाल उपाध्याय के नाम से पहचाना जाएगा। कुलपति ने यह घोषणा विश्वविद्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों एवं शैक्षणिक विभाग प्रमुखों की सहमति से की।

प्रो. आरसी कुहाड़ ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय एक चिंतक, समाजशास्त्री, अर्थशास्त्री और पत्रकार थे। उनका व्यक्तित्व आज के दौर में प्रेरणा का स्त्रोत है। उन्होंने कहा कि आज पंडित दीनदयाल का जन्म दिवस है और यह वर्ष उनके जन्म शताब्दी वर्ष के तौर पर मनाया जा रहा है। पंडित दीनदयाल की साहित्य में गहरी रुचि को देखते हुए विश्वविद्यालय के केंद्रीय पुस्तकालय को उनका नाम दिए जाने की दिशा में कदम बढ़ाया गया।

कुलपति ने कहा कि इस संदर्भ में आवश्यक औपचारिकताएं जल्द पूरी कर ली जाएगी। विश्वविद्यालय में केंद्रीय पुस्तकालय करीब 25000 पुस्तकें हैं। पुस्तकालय में विद्यार्थियों को किताबों के साथ-साथ ई-ग्रंथालय जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध है।